

NSI director for smart packaging of sugar

PNS ■ KANPUR

National Sugar Institute Director Prof Narendra Mohan, while chairing a virtual session on 'Sugar Quality, Consumption and Supply Chain Management' on Wednesday said the Indian sugar industry had to explore for better quality, safe procession and packaging. He said it should also work out better supply chain management and diversification into production of different types of sugars as per the market requirement.

Addressing the virtual lecture organised by Shrijee

Process Engineering Works Ltd, Mumbai, Prof Mohan said during the pandemic and otherwise also sugar was consumed directly, unlike various other food items which were cleaned first and then consumed and this engendered the need for safe processing from farm to consumer.

He said the sugar industry was required to adopt food quality management systems and quality management systems to ensure consumer protection and to build up and maintain consumer trust.

Prof Mohan said the sugar industry in the country was



required to produce keeping in view quality requirements of common consumers, bulk consumers and exports. He said as about 60 per cent of the sugar produced was consumed by bulk consumers like pharmaceutical, beverage, confectionery and sweets industries,

the sugar industry must produce quality sugar like refined sugar, icing sugar, liquid sugar and brown sugar etc.

Discussing packaging, he said today the time had changed and thus there was a need for smart packaging, adding that it was shifting from bulk packaging. He said this would ensure proper weight, hygiene and proper distribution. He said in the sugar market there were many ways in which each type of sugar may be packed, ranging from a simple paperboard box to more convenient options such as re-sealable bags.

Discussing the sugar demand-supply scenario, Prof Mohan said it was still surplus and keenly looking forward for export. He added that although during the current year the country was all set to achieve all time export of 6.5 million tons, yet the Indian sugar industry may consider production and export of value-added specialty sugars like flavored sugars, low GI sugar, muscovado sugar and fortified sugars. He cited the example of Mauritius which had only a few factories but exported specialty sugars to over 50 countries and was the market leader.

www.dinartimes.in **DG दीनार टाइम्स**

रिफाइंड, ब्राउन शुगर पर शुगर इंडस्ट्री को फोकस करना चाहिए



माटीवास में स्पेशल क्वालिटी शुगर बनाकर मार्केट में पकड़ बनाई
हालाकि देश में भी कुछ शुगर मिलों ने बेहतर क्वालिटी के शुगर बनाना शुरू कर चुके हैं

देश में चीनी सरफ़स है
चीनी उद्योग को बाजार में विक्रय हेतु भेजी जाने वाली चीनी के थोक पैकेजिंग से हटकर पैकेजिंग को स्मार्ट अर्थात् आकर्षक, छोटा और स्वच्छता के मानक के अनुरूप बनाने की आवश्यकता है। वर्तमान में चीनी बाजार में चीनी पैकेजिंग के कई प्रकार के विकल्प मौजूद हैं जिनमें एक साधारण मोटे कागज के बक्स से लेकर प्रत्येक प्रकार की चीनी को पैक करने हेतु पुनः-सील करने योग्य बैग में भी उपलब्ध है। चीनी मांग और आपूर्ति परिदृश्य के बारे में बात करते हुए श्री मोहन ने कहा कि हमारे पास देश में अभी भी सरफ़स चीनी है और हम चीनी निर्यात की संभावनाएँ तलाश कर रहे हैं।

गन्ने की कटाई से चीनी प्रोडक्शन तक बेस्ट मैनेजमेंट की जरूरत
हस्तेभाल किया जाता है। अतः चीनी उत्पादन की प्रक्रिया में गन्ने की कटाई से लेकर चीनी की पैकेजिंग तक की प्रक्रिया में सुरक्षित और सफ़ाईयुक्त प्रोडक्शन अत्यावश्यक है। इस कार्य को सुचारु रूप से करने और उपभोक्ता के दिलों का संरक्षण व विश्वास सुनिश्चित करने के लिये चीनी उद्योग को इसका गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालीय और गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालीय अपनाने की सख्ती आवश्यकता है। इस प्रकार देश में चीनी का उत्पादन करते समय आवश्यक है कि आम उपभोक्ताओं, थोक उपभोक्ताओं और आयात करने वाले देशों को निर्यात की जाने वाली **क्वालिटी बेस चीनी प्रोडक्शन की जरूरत** चीनी की गुणवत्ता को ध्यान में रखा जाये। बृहत् देश में उत्पादित लगभग 6000 चीनी का उपभोग थोक उपभोक्ताओं द्वारा किया जाता है, जिसमें दूध उद्योग, चैप पानार्स, कन्वैक्शनरी और रिफ़ाई उद्योग शामिल हैं। चीनी उद्योग को उद्योगों की मांग के अनुरूप रिफ़ाई शुगर, आइसिंग शुगर, लिफ़िड शुगर और ब्राउन शुगर आदि का उत्पादन करना आवश्यक है।

विशेष: कौशल संकट
शेड्यूलर: चीनी की गुणवत्ता प्रबंधन के लिए उद्योगों को आवश्यक है कि वे अपने कर्मियों को उद्योगों में शामिल करें।
ब्यूरो ऑफिस: 230/24 नैन रोड बर्डी-2, बनारस
ईड ऑफिस: नेहरू प्लेस, नई दिल्ली
EMAIL: dinartimesnews@gmail.com
GPF: 0512-2979962
RNI NO-LPHIN/2000/1446
उत्तर प्रदेश सरकार - कौशल विकास, पूर्ण रोजगार, जीवन कल्याण - कौशल विकास, पूर्ण रोजगार, जीवन कल्याण

Director NSI Kanpur speaks on the topic "Sugar Quality, Consumption & Supply Chain Management"

To explore the overseas market and sell sugar at premium prices in the domestic market, Indian Sugar Industry has to look for better quality, safe processing & packaging, supply chain management and diversification into production of different type of sugars as per market requirement, said Narendra Mohan, Director, National Sugar Institute who was speaking on the topic "Sugar Quality, Consumption & Supply Chain Management" during the expert lecture series organized by M/s Shrijee Process Engineering Works Ltd., Mumbai on virtual platform. Talking about the sugar demand-supply scenario, we are still surplus and looking for export. Although during the current year country is all set to achieve all time export of 6.5 million tonnes, yet Indian Sugar Industry may consider production and export of valued added specialty sugars viz. flavored sugars, low GI sugar, muscovado sugar and fortified sugars. He cited the example of Mauritius which has only few factories but exports specialty sugars to over 50 countries and is the market leader.



सेमिनार

नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट के निदेशक ने रखे विचार

चीनी उद्योग खाद्य गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली अपनाए

माई सिटी रिपोर्टर

कानपुर। नेशनल शुगर इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कहा कि चीनी ऐसा उत्पाद है जिसे तैयार होने के बाद सीधे सेवन किया जाता है। इसे विभिन्न खाद्य वस्तुओं की तरह खाने के पहले धोया नहीं जाता है। कहा कि कोरोना काल में लोग खाद्य वस्तुओं की सफाई पर अधिक ध्यान दे रहे हैं। ऐसे में चीनी की पैकेजिंग पर खास ध्यान दिया जाना चाहिए। चीनी मिलें खाद्य गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली अपनाएं।

श्रीजी प्रोसेस इंजीनियरिंग वर्क्स मुंबई के वैनर तले चीनी गुणवत्ता, उपभोग एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन विषय पर सेमिनार का ऑनलाइन आयोजन

किया गया। इसमें इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रोफेसर नरेंद्र मोहन ने कहा कि घरेलू बाजार में प्रीमियम चीनी बेचने के लिए चीनी उद्योग को गुणवत्ता युक्त चीनी के निर्माण, सुरक्षित प्रसंस्करण, आकर्षक पैकेजिंग, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन और बाजार की मांग के अनुरूप विविध गुणों युक्त चीनी के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। गन्ने की कटाई से लेकर चीनी की पैकिंग तक की प्रक्रिया में सफाईयुक्त प्रसंस्करण जरूरी है। चीनी उद्योग मूल्यवर्धित उत्पादों जैसे फ्लेवर्ड शुगर, लो जीआई शुगर आदि के उत्पादन और निर्यात पर विचार कर सकता है। इस मौके पर मारीशस की स्पेशल शुगर का उदाहरण दिया गया। मारीशस 50 से अधिक देशों को चीनी निर्यात करता है।

चीनी उत्पादन की प्रक्रिया में सफाईयुक्त प्रसंस्करण आवश्यक

कानपुर, 24 जून। चीनी उत्पादन की प्रक्रिया में गन्ने की कटाई से लेकर चीनी की पैकिंग तक की प्रक्रिया में सुरक्षित और सफाईयुक्त प्रसंस्करण अत्यावश्यक है। क्योंकि चीनी को उत्पादन के उपरांत सीधे इस्तेमाल किया जाता है। यह जानकारी राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के निदेशक नरेन्द्र मोहन ने श्रीजी प्रोसेस इंजीनियरिंग वर्क्स लि. द्वारा आयोजित व्याख्यान माला में कहीं। उन्होंने कहा कि इस कार्य को सुचारु रूप से करने और उपभोक्ता के हितों का संरक्षण व विश्वास सुनिश्चित करने के लिये चीनी उद्योग को खाद्य गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली और गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली अपनाने की महती आवश्यकता है। देश में उत्पादित लगभग 60 प्रतिशत चीनी का उपभोग थोक उपभोक्ताओं द्वारा किया जाता है। उन्होंने कहा कि विदेशी बाजारों में चीनी विक्रय की संभावनाओं को तलाशने और घरेलू बाजार में प्रीमियम कीमतों पर चीनी बेचने के लिये भारतीय चीनी उद्योग को और उत्तम गुणवत्तायुक्त बनाना होगा।